ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -14 अंक - 13 अक्टूबर-I, 2013 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.

फिल्मों से सकारात्मकता ही अपनाएं दर्शक

कला एवं संस्कृति प्रभाग की रजत जयंती पर आयोजित सम्मेलन में पहुंची जानी मानी फिल्मी हस्तियां

शांतिवन। दादी जानकी, दादी हृदयमोहिनी, फिल्म अभिनेत्री रति अग्निहोत्री, फिल्म अभिनेता चंकी पांडेय, फिल्म अभिनेत्री क्रिस्टीना, ब्र.कु.रमेश शाह, ब्र.कु.मोहिनी, ब्र.कु.मुन्नी, ब्र.कु.कुसुम तथा अन्य।

महिलाओं को सशक्त होने की जरूरत

फिल्म अभिनेत्री रति अग्निहोत्री ने कहा कि वर्तमान में हो रही घटनाओं से मन में अजीब सी घुटन पैदा हो रही है। लोगों को पता नहीं क्या हो गया है कि वे घिनौने कर्म कर रहे हैं, जिसका समाज मे कोई स्थान नहीं है। आज की फिल्मों में ज्यादा नकारात्मकता आयी है इसका समाज पर गहरा असर पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने आध्यात्मिक पहलुओं को भी जीवन में अपनाने की बात कही।

समाज को खुश रखने का प्रयास करें

फिल्म अभिनेता चंकी पांडेय ने कहा कि फिल्म बनाते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि समाज के लोगों के जीवन में खुशी और आनन्द मिल सके। मनोरंजन तो हर कोई कराता है लेकिन यह ध्यान रखना चाहिए कि इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाये। लोगों की मांग के अनुरूप फिल्मों का स्तर है इसलिए कलाकारों को ज्यादा दोष देना ठीक नहीं है। मुझे अच्छी फिल्मों के जरिए लोगों में अच्छा संदेश देने का अवसर मिला और लोगों ने मेरा सपोर्ट किया। आज भी मेरा प्रयास रहता है कि मैं अच्छी चीजें समाज को दे सकूँ।

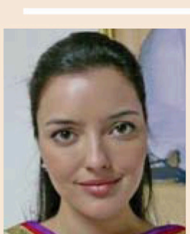

मेडिटेशन से सुकून मिलता है

अभिनेत्री क्रिस्टीना अखीवा ने कहा कि मेरा भाग्य श्रेष्ठ है क्योंकि मैं पिछले आठ महीने से संस्था के संपर्क में हूँ और मेडिटेशन सीख रही हूँ। इससे मुझे व्यवसायिक जीवन में भी सुकून एवं शान्ति मिल रही है। भारतीय फिल्मों में कार्य करने का अवसर मिलना भी मेरे लिए गर्व की बात है। भारत में सिनेमा का विदेशी सिनेमा से ज्यादा महत्व व उपयोगिता है।

शांतिवन। मनोरंजन में फूहड़ता किसी भी स्तर से सामाजिक व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। दर्शकों को फिल्मों से केवल सकारात्मकता ही अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए।

उक्त उद्गार सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता चंकी पाण्डेय ने ब्रह्माकुमारीज कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा की जा रही ईश्वरीय सेवाओं के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ''दैवी संस्कृति के निर्माण में कलाकारों की भूमिका आयोजित सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होने कहा कि आज लोगों की ज़िन्दगी का मकसद केवल पैसा कमाना रह गया है। परन्तु ज़िन्दगी का असली मकसद यहाँ आने के बाद पता लगता है। मेरा बहुत समय से ही आध्यात्मिकता के प्रति झुकाव रहा है परन्तु यहाँ आने के बाद जीवन जीने का अंदाज मिलता है।

ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि हम सभी कलाकार हैं जो इस सृष्टि रंगमंच पर अपना-अपना पार्ट बजा रहे हैं। परमात्मा की महिमा को हम शब्दों में वर्णन नहीं कर सकते हैं। हम अपने साधारण कर्म को भी श्रेष्ठ बनाकर अपना जीवन श्रेष्ठ बना सकते हैं।

फिल्म अभिनेत्री रति अग्निहोत्री ने कहा कि आज समाज के लोगों को अपने जीवन के बारे में रुककर सोचना चाहिए। यह एक ऐसा स्थान है जहाँ से कोई भी रास्ता आसानी से तय किया जा सकता है। परमात्मा का ज्ञान यदि मनुष्य में आ जाए तो उससे वह कोई भी सफलता प्राप्त कर सकता है।

संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि आप खुश होकर जो भी कार्य करेंगे उसका परिणाम अच्छा ही होगा। राजयोग माना आत्मा बन परमात्मा की याद में रहना।

फिल्म अभिनेत्री क्रिस्टीना अखीवा ने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा कि मेरे जीवन में बहुत ही तनाव था परन्तु जबसे मैं संस्थान से जुड़ी हूँ, सुरक्षित महसूस करती हूँ।

इस कार्यक्रम को ब्र.कु.रमेश शाह, सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशक ब्र.कु.करूणा, ब्र.कु. मुन्नी, ग्राम प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. मोहिनी ने भी सम्बोधित किया। यह सम्मेलन तीन दिन चला जिसमें देश के कोने-कोने से आये हुए कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया।

प्रसन्नता व सफलता प्राप्त करना हर युवा का अधिकार

ज्ञानसरोवर। आप सभी युवा अपने जीवन के स्वर्णिम काल में हैं इसलिए राजयोग मेडिटेशन सीखकर स्वयं को सशक्त बनाएं। युवाकाल में तो पसीना भी गुलाब की तरह महक देता है अत: आत्मिक विकास के लिए प्रयास करें।

उक्त विचार गुजरात के पूर्व राज्यमंत्री शक्ति सिंह गोयल ने ब्रह्माकुमारीज युवा प्रभाग द्वारा 'युवा प्रसन्नता की ओर' विषय पर आयोजित सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान दिल के साथ-साथ दिमाग का प्रयोग अच्छी रीति करना सिखाता है। यह संस्थान विश्व को दिशा दे रहा है, आपको भी एक नई राह अवश्य प्राप्त होगी। आप सभी यहां प्राप्त होने वाली ईश्वरीय शक्तियों का भरपूर लाभ लें।

जिला रोट्रेक्ट प्रतिनिधि जसमीत कौर ने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में हम इन आध्यात्मिक शिक्षाओं को अपनाकर काफी सुंदर कार्य कर पाएंगे। मन में शांति एवं खुशी आएगी। ऐसे स्थान पर आना हम सभी के लिए भाग्य की बात है। हम सत्तर रोट्रेक्टर्स को काफी सुंदर अवसर मिला है इस कार्यक्रम में शिरकत करने का। 150 देशों में हमारे करीब दस हजार क्लब हैं, जिनसे जुड़े युवा सदस्य समाज सेवा का कार्य करते रहते हैं।

ज्ञानसरोवर। पूर्व राज्यमंत्री शक्ति सिंह गोयल, ब्र.कु.चंद्रिका, जिला रोट्रेक्ट प्रतिनिधि जसमीत कौर तथा अन्य युवा प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर।

युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.चन्द्रिका ने कहा कि प्रसन्नता व सफलता प्राप्त करना वैसे तो हर युवा का अधिकार है लेकिन कुछ युवा गलत दिशा में चलने से इस अधिकार को गंवा बैठते हैं। हमारा लक्ष्य आध्यात्मिकता के माध्यम से चरित्रवान बनकर समाज को दिशा देने का हो। हमें किसी से प्रभावित नहीं होना है और अपनी पवित्रता को बरकरार रखना है क्योंकि पवित्रता ही सबसे अनमोल निधि है।

ब्रह्माकुमारीज साइंटिस्ट विंग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु.मोहन सिंघल ब्र.कु.ललित, ब्र.कु.इशिता एवं ब्र.कु.अशोक ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया।